आज समाज 13/04/2025

जीएमएन कालेज में किया एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन

आज समाज नेटवर्क

अंबाला। इतिहास विभाग एवं गांधी स्टडी सेंटर,गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज, अंबाला कैंट के द्वारा जलियांवाला बाग की पूर्व संध्या पर एक एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का मुख्य विषय था जलियांवाला बाग नरसंहार रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. कृष्ण कुमार पुनिया अध्यक्ष, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विभाग रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में डॉ. धर्मवीर सैनी अध्यक्ष, इतिहास विभाग एवं इंचार्ज, गांधी स्टडी सेंटर एवं म्यूजियम द्वारा मुख्य अतिथि एवं अन्य सम्मानित अतिथिगणों का स्वागत किया तथा व्याख्यान के मुख्य विषय के बारे में विद्यार्थियों को एवं अन्य स्टाफ सदस्यों को अवगत कराया। डॉ. धर्मवीर ने बताया कि इस व्याख्यान को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य जलियांवाला बाग हत्याकांड में शहीद हुए भारतीयों को श्रद्धांजलि देना था तथा साथ ही साथ आज की युवा पीढ़ी एवं विद्यार्थियों को इस हत्याकांड के बारे में विस्तार से बतलाना था ताकि उनको राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान ब्रिटिश सरकार के द्वारा भारतीयों के ऊपर किए गए अत्याचारों का पता चल सके। आज की युवा पीढ़ी एवं विद्यार्थी इस तरह के ऐतिहासिक व्याख्यानों के माध्यम से भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से प्रेरणा ले सकते हैं तथा समाज और देश के निर्माण में अपनी भूमिका अदा कर सकते हैं। डॉ कृष्ण कुमार पुनिया, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ने अपने व्याख्यान में बताया कि जलियांवाला बाग भारतीय इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना है। इस घटना के बाद भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन न केवल मजबूती से आगे बढ़ा था बल्कि साथ ही साथ इस घटना ने पूरे देशवासियों को एकजुट कर दिया था तथा वह आगे आने वाले आंदोलन में जो महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में चलाए गए थे उन सभी में कंधे से कंधा मिलाकर ब्रिटिश सरकार के खिलाफ लड़े थे तथा तब तक लड़ते रहे थे जब तक भारत को आजादी नहीं मिली। डॉ पूनिया ने बताया कि यह नरसंहार ब्रिटिश ब्रूटालिटी (अत्याचारों) का एक जीता जागता उदाहरण है तथा यह ब्रिटिश सरकार के द्वारा जानबूझकर किया गया था। उन्होंने बताया कि जनरल डायर ने जिस तरह से बाग में उपस्थित निहत्थे भारतीयों के ऊपर गोलियां चलवाई थी तथा तब तक चलाई गई जब तक कि सिपाहियों की बंदूको से राउंड खत्म ना हो गए।